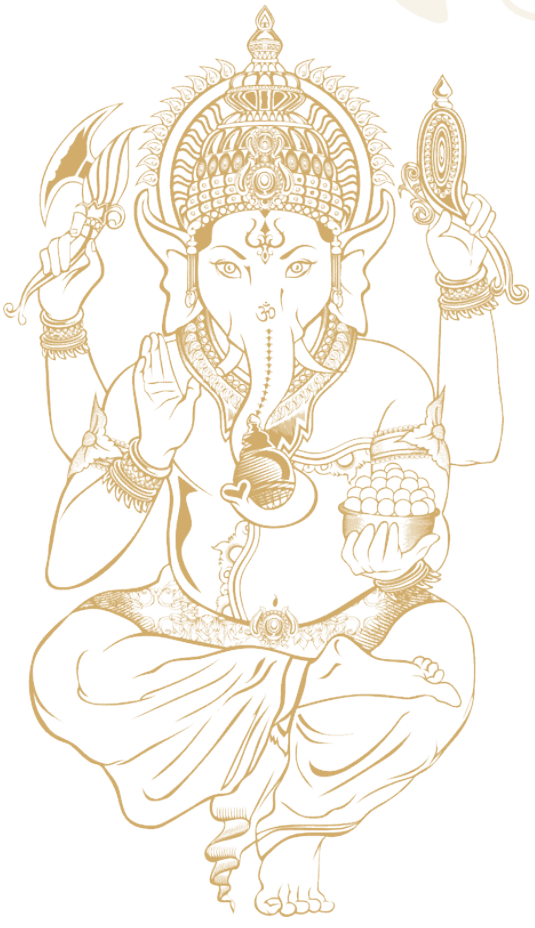

Mr.ashutosh srivastava

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120631617

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/09/1993	जन्म तिथि	14/03/1997
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 18:27:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 30:34:51	जन्म समय(घटी)	38:01:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Panipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:13:03	सूर्योदय	06:33:36
18:09:31	सूर्यास्त	18:29:35
23:46:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 5वर्ष 1मा 28दि		20:05:53	मीन	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि	
बुध		12:37:20	कन्या	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु	
28/11/2017		29:01:52	कुंभ	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010	
28/11/2034		07:52:40	तुला	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028	
बुध	25/04/2020	04:05:52	तुला	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
केतु	23/04/2021	27:12:00	कन्या	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
शुक्र	21/02/2024	15:55:30	सिंह	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
सूर्य	28/12/2024	00:32:08	कुंभ व	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
चन्द्र	29/05/2026	10:59:30	वृश्चि व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
मंगल	26/05/2027	10:59:30	वृष व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
राहु	13/12/2029	24:27:21	धनु	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
गुरु	20/03/2032	24:36:08	धनु व	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
शनि	28/11/2034	29:51:12	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

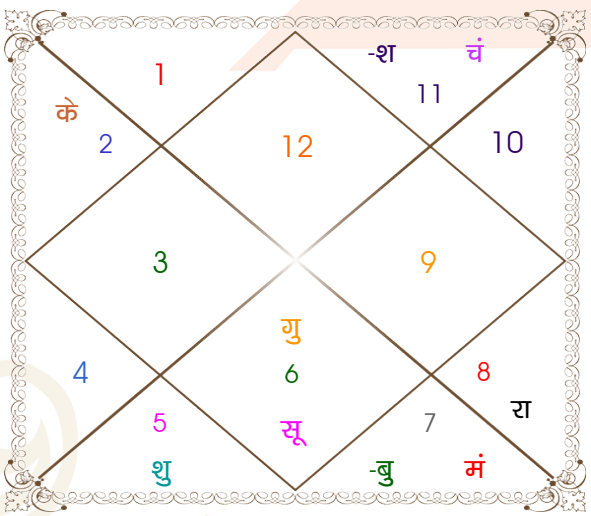

लग्न-चलित

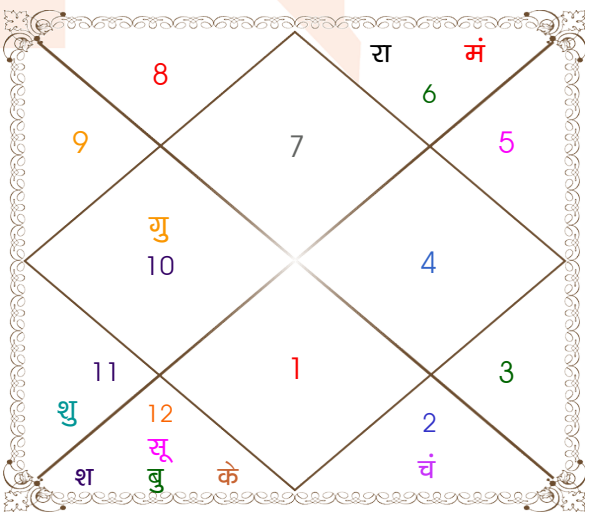

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

डतणैनजवी`तपअेंजंअं का वर्ग सर्प है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणैनजवी`तपअेंजंअं और Ms.nirali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणैनजवी`तपअेंजंअं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतर्ऽेनजवीे तपऽेंजंअं कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्ऽेनजवीे तपऽेंजंअं तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।